भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 220
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 21 जुलाई, 2025
30 आषाढ़ 1947 (शक)

असूचीकृत स्मारकों का रखरखाव

220. श्री के. सी. वेणुगोपाल:
श्री वी. के. श्रीकंदन:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की संरक्षित स्थलों की सूची से कुछ स्मारकों को असूचीकृत करने की कोई योजना है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा अनेक स्मारकों को असूचीकृत किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा एवं इसके क्या कारण है;
(घ) ऐसे स्मारकों के रखरखाव हेतु किए जा रहे वैकल्पिक प्रबंध क्या है;
(ड.) क्या एक संसदीय समिति ने सरकार से अनुरोध किया है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की संरक्षित स्थलों की सूची से स्मारकों को असूचीकृत करने की मापदंडों की पुन: समीक्षा एवं सुधार के लिए एक स्वतंत्र समिति गठित की जाए; और
(च) यदि हां, तो इस पर अब तक उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): वर्तमान में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग): हाल ही में केंद्र सरकार ने संरक्षित स्मारकों की सूची में से 18 स्मारकों को असूचीकृत कर दिया है क्योंकि वे राष्ट्रीय महत्व के स्मारक बने रहने के योग्य नहीं पाये गये। इन स्मारकों का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

(घ): भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार, राष्ट्रीय महत्व के रूप में घोषित किए गए स्मारकों से पृथक अन्य स्मारकों का संरक्षण एवं परिरक्षण राज्य का विषय है। अत: इन स्मारकों के रखरखाव का दायित्व संबंधित राज्य सरकारों का है।

(ड.) और (च): एक संसदीय समिति ने यह सिफारिश की है कि सरकार द्वारा स्मारकों को सूची से हटाने के मापदंड की पुन: समीक्षा एवं सुधार करने के लिए एक स्वतंत्र पैनल का गठन किया जाए। तथापि, वर्तमान में प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 में संशोधन किये जाने से संबंधित कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

अनुबंध

लोक सभा में दिनांक 21.07.2025 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 220 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

असूचीकृत किए गए प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों एवं अवशेषों का ब्यौरा

क्रम सं.	स्मारक का नाम	शहर	ज़िला	राज्य
1.	निकोलसन प्रतिमा और उसका मंच, और आसपास के बगीचे, रास्ते और बाड़े की दीवार	दिल्ली के कश्मीरी गेट के बाहर	दिल्ली	दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)
2.	कोस मीनार संख्या 13	मुजेसर गाँव	गुरुग्राम (गुडगाँव)	हरियाणा
3.	कोस मीनार	शाहाबाद	करनाल	हरियाणा
4.	बछौन के किले के शिलालेख	बछौन	सतना	मध्य प्रदेश
5.	बारा खंबा कब्रिस्तान	शाही शहर	दिल्ली	दिल्ली
6.	इंचला वाली गुमटी	कोटला मुबारकपुर	दिल्ली	दिल्ली
7.	मंदिर(12वीं शताब्दी)	बारां	कोटा	राजस्थान
8.	किले का शिलालेख	नगर	जयपुर	राजस्थान
9.	कुटुम्बारी क्षेत्र नालियाँ	द्वारहाट	अल्मोड़ा	उत्तराखंड
10.	प्राचीन इमारतों के निशानों से युक्त एक अति प्राचीन बरगद का उपवन	भरानली गंगा तीर	गाजीपुर	उत्तर प्रदेश
11	बंद कब्रिस्तान, कटरा नाका	बांदा शहर के दक्षिण-पश्चिम में	बाँदा	उत्तर प्रदेश
12.	रंगून में गनर बर्किल का मकबरा	रंगून	झांसी	उत्तर प्रदेश
13.	कब्रिस्तान	गौघाट	लखनऊ	उत्तर प्रदेश
14.	कब्रिस्तान	मील 6 और 8 पर, जहरैला रोड	लखनऊ	उत्तर प्रदेश
15.	मकबरा	मील 3, 4 और 5 पर, लखनऊ-फ़िज़ाबाद रोड	लखनऊ	उत्तर प्रदेश
16.	गाँव के उत्तर में लगभग 1000 ई. के 3 छोटे लिंग मंदिरों के अवशेष	अहुगी	मिर्जापुर	उत्तर प्रदेश
17.	तेलिया नाला बौद्ध अवशेष, निर्जन गाँव का हिस्सा	नाले के ठीक ऊपर, उसके बाएं किनारे की ऊंची भूमि पर, उस स्थान से थोड़ी दूरी पर जहां यह गंगा में मिलती है और उस मुख्य सड़क के करीब है जिसके नीचे यह बहती है, जो एक निर्जन मस्जिद का हिस्सा है।	वाराणसी (बनारस)	उत्तर प्रदेश
18.	ट्रेजरी बिल्डिंग की पट्टिका	वाराणसी (बनारस)	वाराणसी (बनारस)	उत्तर प्रदेश

*****